विदुर - पठन सामग्री और सार

सार

विचित्रवीर्य की रानी अंबालिका की दासी के पुत्र का नाम विदुर था। विदुर को धर्मशास्त्र तथा राजनीति का अधिक ज्ञान था। पितामह भीष्म ने उनके ज्ञान से प्रभावित होकर युवावस्था में ही उन्हें राजा धृतराष्ट्र का प्रधानमंत्री बना दिया।

जब धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को जुआ खेलने की अनुमति दे दी तब विदुर ने उन्हें बताया कि जुआ खेलने से उनके बेटों में इसके कारण क्लेश बढ़ेगा। धृतराष्ट्र ने अपने पुत्र दुर्योधन से यह बात बताई और उसे जुआ खेलने से मना किया परन्तु वो इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अंततः धृतराष्ट्र ने पुत्र-मोह में आकर आमन्त्रण भेज दिया।
विदुर ने युधिष्ठिर को भी जुए में जान से रोका परन्तु युधिष्ठिर ने भी मानने को तैयार ना हुए। उन्होंने कहा कि काका (धृतराष्ट्र) द्वारा भेजे निमंत्रण को वह नहीं ठुकरा सकते।

1 अंक के प्रश्न -

1. विदुर कौन थे?

उत्तर: विदुर विचित्रवीर्य की रानी अंबालिका की दासी के पुत्र थे।

2. विदुर को किस विषय में ज्ञान हासिल था?

उत्तर : विदुर को धर्मशास्त्र तथा राजनीति में ज्ञान हासिल था।

3. विदुर ने दोनों पक्षों को जुआ खेलने से मना क्यों किया?

उत्तर : विदुर ने दोनों पक्षों को जुआ खेलने से मना इसलिए किया क्योंकि उन्हें विश्वास था खेल राज्य के नाश का कारण बनेगा।